शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

(22 मई 2019)

दिनाँक 22.5.2019 को शुष्क वन अनुसंधान जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया जिसमें केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षकगण, कृषक, वन विभाग, जोधपुर के कार्मिको सहित संस्थान के अधिकारीयों/वैज्ञानिकों/कर्मचारियों/शोधार्थियों ने भाग लिया ।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. बी. आर. मेघवाल, सेवानिवृत्त, भा.पु.से., ए.डी.जी. (पश्चिम बंगाल केडर) ने इस वर्ष के विषय "हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य" पर चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की गलत आदतों एवं खानपान के गलत तरीकों का नतीजा तरह- तरह की बीमारियाँ हैं। डॉ. मेघवाल ने बाजरा के पौष्टिक गुणों की चर्चा की। डॉ. मेघवाल ने विश्व के परिपेक्ष्य में भारत की जैव विविधता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैव विविधता को बचाये रखना हैं। उन्होने कहा कि अगर हम इस जैव विविधता को नहीं बचाएंगे तो हमारा अस्तित्व नहीं रहेगा। डॉ. मेघवाल ने कुछ प्रजातियों का उदाहरण देते हुए बताया कि बहुत सारी प्रजातियाँ खत्म होती जा रही हैं, हमे जागरूक होना पड़ेगा।

संस्थान के निदेशक श्री एम.आर. बालोच, भा.व.से. ने इस अवसर पर कहा कि जैव विविधता दिवस का उद्देश्य इस बारे में जागृति एवं चेतना फैलाना हैं तथा इस वर्ष का जो विषय रखा गया हैं "हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य" बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। श्री बालोच ने जैव विविधता दिवस के बारे में बताते हुए जैव विविधता से संबंधी कानून, बोर्ड, स्टेट बोर्ड परियोजनाओं में जैव विविधता संबंधी अनुमति इत्यादि के बारे में चर्चा की। श्री बालोच ने "प्रकृति" कार्यक्रम की चर्चा करते हुए बताया कि जो एम.ओ.यू. हुआ हैं उसके अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय/जवाहर नवोदय विद्यालय को जोड़ना हैं, इनके साथ मिलकर कार्यक्रम करने हैं ताकि हमारे यहाँ के अनुसंधान, विचारों का आदान प्रदान हो ताकि आने वाली पीढ़ी पर्यावरण के बारे में समझे। श्री बालोच ने केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षकगण, किसान, वन विभाग के कार्मिको सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारे साथ में विचार साझा किये, उससे हम लाभान्वित हुए और आशा व्यक्त की, कि यह क्रम बना रहेगा।

समूह समन्वयक (शोध) डॉ. आई डी. आर्य ने कहा कि, हम एक ही दिशा में उच्च उत्पादकता वाली किस्मों की तरफ बढ़ते गये, परिणामत: दूसरी प्रजातियों की ओर ध्यान नहीं गया और वो खत्म होती

गयी । डॉ. आर्य ने कहा कि सारी प्रजातियों को बचाना जरूरी हैं, जैव विविधता की कोई ना कोई उपयोगिता जरूर हैं इसलिए जैव विविधता दिवस मनाया जाता हैं।

डॉ. जी. सिंह, वैज्ञानिक "जी" ने जैव विविधता का अर्थ बताए हुए कहा कि जैव विविधता विभिन्न प्रकार की प्रजातियों हैं, उनकी किस्में होती हैं। पारितंत्र:, उसमे भी विभिन्नताएँ होती हैं, इन सारी चीजों की आवश्यकता हैं। डॉ. जी. सिंह ने पारितंत्र की प्रक्रिया बताते हुए प्रजातियों की महत्ता बतायी तथा कहा कि एक ही कार्य कई प्रजातियाँ करती हैं जैसे नाइट्रोजन स्थिरीकरण, इसी तरह एक ही प्रजाति बहुत से काम भी करती हैं जैसे नाइट्रोजन स्थिरीकरण, मृदा एवं जल संरक्षण। डॉ. जी. सिंह ने बताया कि अलग-अलग प्रजातियों से अलग-अलग पोषक तत्व मिलते हैं, हम कुछ पर ही निर्भर होते जा रहे हैं इसलिए अन्य पोषक तत्व नहीं मिल रहे, स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा हैं, अलग-अलग वातावरण में अलग-अलग प्रजातियाँ होती हैं, हमे जैव विविधता को बचाना हैं ताकि हमारी उत्पादकता सतत बनी रहे। डॉ. जी. सिंह ने कहा कि किसी भी भूमि की, सभी की अपनी उत्पादक क्षमता होती हैं, जितनी ज्यादा जैव विविधता होगी उतनी ही उत्पादकता में स्थायित्व होगा, इसलिए हमे जैव विविधता को बचाये रखना हैं ताकि हमे विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ मिल सके और हमारा स्वास्थ्य ठीक रह सके।

श्री हनुमाना राम, भा.व.से., वन संरक्षक जोधपुर ने अपने वक्तव्य में बताया कि जैव विविधता अपने अस्तित्व के लिये बहुत जरूरी हैं तथा विकास और विनाश में संतुलन हो। उन्होने कहा कि तकनीक के पास इन चीजों का समाधान हैं। उन्होने कहा कि आज का संदेश स्कूली बच्चो तक पहुचें।

केन्द्रीय विद्यालय, एयर फोर्स 1 के प्राचार्य, श्री विवेक यादव ने हमारी संस्कृति, प्रकृति, पेड़ पौधो, जीव जन्तु आदि का जिक्र करते हुए जागरूकता लाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा कि हमें पौधे लगाने जैसे कार्य को व्यवहारिक रूप में करते हुए हमारी भावी पीढ़ी को, बच्चों को जागरूक करना पड़ेगा। श्री यादव ने जैव विविधता की महत्ता आम लोगो तक पहुचाने की भी आवश्यकता प्रतिपादित की । श्री यादव ने कहा कि, अन्न का अपव्यय (wastage) बचा कर जैव विविधता को हम बचा सकते हैं। केन्द्रीय विद्यालय एयर फोर्स 2 की प्राचार्य श्रीमती दुर्गा चौहान ने कहा कि, विद्यालय एवं आसपास में जो जैव विविधता से संबन्धित चीजे हैं उनको बनाए रखने की कोशिश की जायेगी। केन्द्रीय विद्यालय बनाड़ के प्राचार्य श्री विष्णुदत्त टेलर ने कहा कि यह अच्छा विषय हैं

जिसमे हमें धरातल तक कार्य करने की जरूरत हैं। श्री टेलर ने जैवविविधता, पर्यावरण और उनके संरक्षण में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता और भागीदारी की जरूरत बतायी । श्री टेलर ने कहा कि जैव विविधता से हम सब जुड़े हैं। श्री टेलर ने बच्चों को जागरूक करने की आवश्यकता प्रतिपादित की तथा बताया की हमें छोटे छोटे प्रयास करने पड़ेंगे ताकि सफलता मिल सके।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारम्भ में विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने जैव विविधता दिवस मनाने की पृष्ठभूमि की जानकारी देते हुए इस वर्ष की विषय वस्तु (Theme) "हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य" के बारे में बताया।

किसान श्री मोहनराम सारण ने अपने खेत की मेड़ पर लगाये कूमट के पौधों का जिक्र करते हुए कूमट की उपयोगिता बतायी तथा कहा कि बिगड़ते हुए वातावरण एवं प्रदूषण रोकने के लिए पेड़-पौधों की अति आवश्यकता हैं। श्री रतनलाल डागा ने पूर्व इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि पूर्व में किस तरह खेती में पेड़-पौधे और पशुओ का महत्त्व था जिसमे कृषि उत्पाद भी संतुलित होते और उनमे पोषक तत्व होते थे, खेतों में पेड़ पौधो की भरमार थी, पशु होते थे, पशु इन पेड़ पौधो में चरते थे, बैठते थे, खाद से खेती होती थी, स्वास्थ्य अच्छा रहता था, कालांतर में मशीनीकरण और रसायनों के आने से न केवल लागत बढ़ रही है बल्कि खेती उजड़ रही हैं। श्री डागा ने पेड़ लगाने का जिक्र करते हुए बताया कि हमें विभिन्न प्रकार के पेड़ लगाने चाहिए। श्री डागा ने जैविक खेती और अच्छे स्वास्थ्य का भी जिक्र किया। किसान श्री मदन लाल देवड़ा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह उन्होने रसायनों का उपयोग छोड़ जैविक खेती चालू की। श्री देवड़ा ने रसायनों के कुप्रभाव और कम होते जल स्तर का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह उन्होने खेती में नवाचार किये जिसमें वैज्ञानिकों का भी सहयोग रहा। श्री देवड़ा ने कहा कि खेती तथा पर्यावरण को बचाने के लिए हमे स्वयं कार्य करना पड़ेगा। श्री आर.सी. शर्मा ने बताया कि खेत की मेड़ का पेड़ बाद में सूखता हैं क्योंकि वनस्पति आच्छादन देती हैं तो नमी भी मिलती हैं। कार्यक्रम के अंत में श्री रमेश कुमार मालपानी, उप वन संरक्षक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रीमती कुसुम परिहार ने जैव विविधता दिवस एवं इसके विषय के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में वन विभाग के उप वन संरक्षक श्री के.के. सोनी, केन्द्रीय विद्यालय, पाली के प्राचार्य, श्री शैतान सिंह मीणा, केन्द्रीय विद्यालय, तिंवरी के प्राचार्य, श्री महेंद्र सिंह, केन्द्रीय विद्यालय आर्मी न. 1 के उप प्राचार्य श्री बी. एल. सहारण, केन्द्रीय विद्यालय आर्मी न. 2 श्री सुरेश जांगिड़ (पी.जी.टी.), ,

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

केन्द्रीय विद्यालय बी.एस.एफ़. के श्री श्याम सुंदर (पी.जी.टी.), कृषक श्री तुलचाराम सिंवर, श्री सुखाराम, श्री मंगलाराम, प्राकृतिक चिकित्सा एवं जड़ी बूटी शोध संस्थान के श्री अमरसिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि एवं आगंतुक मेहमानों ने मुख्य परिसर में करंज प्रजाति के पौधों का पौधरोपण किया।

कार्यक्रम में विस्तार विभाग के श्री महिपाल बिशनोई, तकनीकी अधिकारी, श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी, श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीशियन एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा ।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस